एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी)
पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी – 04
नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

सत्रीय कार्य
(जुलाई–2026 एवं जनवरी–2027 सत्र के लिए)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य : 2026–2027

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–04/2026–2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

इस पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। अंतिम परीक्षा, परिणाम में, **सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।**

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरभं करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

    अनुक्रमांक : ....
    नाम : ....
    पता : ....

    पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....
    सत्रीय कार्य कोड : ....
    अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

    दिनांक : ....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2026 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027
जनवरी 2027 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2027

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

सत्रीय कार्य के दो खंड हैं और उसमें दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
   ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
   ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

   1. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
   2. **विशेष** : अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी.–04

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

सत्रीय कार्य (2026.2027)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–04 / एम.ए.
पाठ्यक्रम शीर्षक : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–19 / टी.एम.ए / 2026–2027
कुल अंक : 100

खंड – 1

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 4x10 = 40

(क) ऐसा जीवन तो विडंबना है, जिसके लिए रात–दिन लड़ना पड़े। आकाश में जब शीतल शुभ्र शरद–शशि का विलास हो, तब भी दांत–पर्–दांत रखे मूट्ठियों को बांधे – लाल आंखों से एक–दूसरे को घूरा करें! बसंत के मनोहर प्रभात में, निभृत कगारों में चुपचाप बहने वाली सरिताओं का स्रोत गरम रक्त बहाकर लाल कर दिया जाय! नहीं–नहीं, चक्र! मेरी समझ में मानव–जीवन का यही उद्देश्य नहीं है। कोई और भी निगुढ़ रहस्य है चाहे मैं स्वयं उसे न जान सका हूँ।

(ख) चूरन सभी महाजन खाते। जिससे जमा हजम कर जाते ।।
चूरन खाते लाला लोग। जिसकी अकिल अजीरन रोग ।।
चूरन खावैं एडिटर जात। जिनके पेट पचौ नहिं बात ।।
चूरन साहेब लोग जो खाता। सारा हिंद हजम कर जाता ।।
चूरन पुलिस वाले खाते। सब कानून हजम कर जाते ।।

(ग) मैं यहाँ थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ जहाँ... आप शायद सोच भी नहीं सकते कि क्या–क्या होता रहा है यहाँ। डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार–तार कर देना... उनके मुँह पर पट्टी बाँधकर उन्हें बंद कमरे में पीटना... खींचते हुए गुसलखाने में कमोड पर ले जाकर... **(सिहरकर)** मैं तो बयान भी नहीं कर सकती कि कितने कितने भयानक दृश्य देखे हैं इस घर में मैंने। कोई भी बाहर का आदमी उस सबको देखता–जानता, तो यही कहता कि क्यों नहीं बहुत पहले ही ये लोग...?

(घ) पता नहीं
प्रभु है या नहीं
किंतु, उस दिन यह सिद्ध हुआ
जब कोई भी मनुष्य

अनासक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को,
उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है।
नियति नहीं है पूर्वनिर्धारित–
उसको हर क्षण मानव–निर्णय बनाता मिटाता है।

2. अंधेर नगरी में व्यक्त व्यंग्य और विडंबना की व्याख्या कीजिए और यह भी बताइए कि यह नाटक किस अर्थ में आज भी प्रासंगिक है? **10**

3. स्कन्दगुप्त के आधार पर प्रसाद की इतिहास दृष्टि की विवेचना कीजिए । **10**

4. मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'आधे–अधूरे' की विवेचना कीजिए। **10**

5. 'तांबे के कीड़े' की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए उसकी प्रतीक योजना को स्पष्ट कीजिए। **10**

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : **(4x5) = 20**

(क) 'अंधायुग' का राजनीतिक संदर्भ

(ख) 'कुटज' की अन्तर्वस्तु

(ग) 'कलम का सिपाही' की : जीवनी साहित्य की अन्यतम उपलब्धि

(घ) 'अदम्य जीवन' की शिल्पगत विशेषता